

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th



aglasem.com

Class : 9th
Subject : अर्थशास्त्र
Chapter : 1
Chapter Name : पालमपुर के गाँव की कहानी

Q1 भारत में जनगणना के दौरान दस वर्ष में एक बार प्रत्येक गाँव का सर्वेक्षण किया जाता है। पालमपुर से संबंधित सूबानाओं के आधार पर निम्न तालिका को भरिए-

- क) अवस्थिति क्षेत्र
- ख) गाँव का कुल क्षेत्र
- ग) भूमि का उपयोग (हेक्टेयर में)
- घ) सुविधाएँ

शैक्षिक	
चिकित्सा	
बाज़ार	
बिजली पूर्ति	
संचार	
निकटतम कस्बा	

Answer.
क) अवस्थिति क्षेत्र: पालमपुर गाँवों व कस्बों से जुड़ा हुआ है। इसके निकट बड़ा कस्बा रायगंज है और छोटा कस्बा साहपुर है।
ख) गाँव का कुल क्षेत्रफल: 276 हेक्टेयर।
ग) भूमि का उपयोग (हेक्टेयर में)

कृषि भूमि	
सिंचित	असिंचित
200 हेक्टेयर	50 हेक्टेयर

भूमि जो कृषि के लिए उपलब्ध नहीं है (निवास स्थानों, तालाबों, चारगाहों आदि के क्षेत्र)

26 हेक्टेयर

शैक्षिक	दो प्राथमिक विद्यालय, एक हाईस्कूल
चिकित्सा	एक निजी दवाखाना, एक सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
बाज़ार	एक सुविकसित बाज़ार
बिजली पूर्ति	पालमपुर के अधिकतर घरों में बिजली है।
संचार	सड़कों एवं परिवहन की सुविधा
निकटतम कस्बा	साहपुर

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q2 खेती की आधुनिक विधियों के लिए ऐसे अधिक आगंतों की आवश्यकता होती है, जिन्हें उद्योगों में विनिर्मित किया जाता है, क्या आप सहमत हैं ?

Answer.

खेती की आधुनिक विधियों के लिए ऐसे अधिक आगंतों की आवश्यकता होती है। छोटे किसानों को समान्यतः पूँजी की व्यवस्था करने के लिए पैसा उधार लेना पड़ता है और कर्ज चुकाने के लिए उन्हें बहुत कष्ट सहने पड़ते हैं। पालमपुर में विनिर्माण में बहुत सरल उत्पादन विधियों का प्रयोग होता है और छोटे पैमाने पर ही किया जाता है। पर एच वाई वी बीजों की सहायता गेहूँ की पैदावार 1300 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 3200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक हो गई।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q3 पालमपुर में बिजली के प्रसार ने किसानों की किस तरह मदद की?

Answer.

पालमपुर में बिजली के प्रसार ने किसानों की मदद निम्न प्रकार से की-

- 1) बिजली प्रसार से सिंचाई करनी आसान हो गई। इससे पहले वे रहट के द्वारा सिंचाई करते थे जो अधिक प्रभावशाली तरीका नहीं था।
- 2) बिजली का अधिक से अधिक उपयोग करके वे अपने कृषि उत्पादन को बढ़ा सकते थे और पूरे वर्ष विभिन्न फसलों उगा सकते हैं।
- 3) सिंचाई के लिए कुएँ से पानी खींचना आसान हो गया। अब उन्हें मानसून की वर्षा पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q4 क्या सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना महत्वपूर्ण है? क्यों?

Answer.

सिंचित क्षेत्र को बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के सभी गाँवों में ऐसी उच्च स्तर की सिंचाई व्यवस्था नहीं है। देश में आज भी कुल कृषि क्षेत्र के 40 प्रतिशत से भी कम क्षेत्र में ही सिंचाई होती है। शेष क्षेत्रों में खेती ज्यादातर वर्षा पर निर्भर है। क्योंकि भारत में मानसून की बरसात अनिश्चित है।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q5 पालमपुर के 450 परिवारों में भूमि वितरण की एक सारणी बनाइए।

Answer.

पालमपुर में 450 परिवारों में से लगभग एक तिहाई अर्थात् 150 परिवारों के पास खेती के लिए भूमि नहीं है जो अधिकांशतः दलित हैं। बाकी परिवारों में से 240 परिवार जिनके पास भूमि है, 2 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल वाले छोटे भूमि के टुकड़ों पर कृषि करते हैं। जिससे किसानों के परिवारों को पर्याप्त आमदनी नहीं होता।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q6 पालमपुर में खेतिहर श्रमिकों की मजदूरी न्यूनतम मजदूरी से कम क्यों है?

Answer.

पालमपुर में खेतिहर श्रमिकों की मजदूरी न्यूनतम मजदूरी से कम है क्योंकि भूमिहीन मजदूरों की संख्या अधिक है। मजदूरों में बहुत अधिक स्पर्धा है जो कम मजदूरी लेता है काम उसी को अधिक मिलता है। मजदूर कम वेतन पर काम करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q7 अपने क्षेत्र में दो श्रमिक से बात कीजिए। खेतों में काम करने वाले या विनिर्माण कार्य में लगे मजदूरों में से किसी को चुनें। उन्हें कितनी मजदूरी मिलती है? क्या उन्हें नकद पैसा मिलता है या वस्तु रूप में? क्या उन्हें नियमित रूप से काम मिलता है? या क्या वे कर्ज में हैं?

Answer.

मैंने दो मजदूर जो एक खेतों में कार्य करता है और दूसरा जो विनिर्माण कार्य में काम करता है से बात की। उनको मजदूरी में 100- 150 रुपए मिलते हैं। हाँ उन्हें नकद पैसा मिलता है। उन्हें नियमित रूप से काम नहीं मिलता। कम मजदूरी के कारण वे परिवार का भरण- पोषण कठिनाई से कर पाते हैं और कर्ज में डूबे रहते हैं।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q8 एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाने के अलग - अलग कौन से तरीके हैं? समझाने के लिए उदाहरणों का प्रयोग कीजिए।

Answer.

एक ही भूमि पर उत्पादन बढ़ाने के निम्न तरीके हैं-

- 1) आधुनिक विधियाँ को अपना कर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है।
- 2) बहुविध फसल प्रणाली कृषि उत्पादन बढ़ाने का सबसे बीढ़या तरीका है।
- 3) उन्नत किस्म के यानि बढिया किस्म के बीज अपना कर।
- 4) उचित समय पर उर्वरक, रसायनिकखाध, संचाई के आधुनिक तरीके अपना कर, एवं कीटनाशक दवाइयों का उपयोग करके।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q9 एक हेक्टेयर भूमि के मालिक किसान के कार्य का ब्योरा दीजिए।

Answer.

एक हेक्टेयर 100 मीटर की भुजा वाले वर्गाकार भूमि के टुकड़े के क्षेत्रफल के बराबर है। किसान जो एक होटेयर भूमि पर काम करता है वह अपनी दोनों समय के खाने का प्रबन्ध नहीं कर सकता। इसलिए उसे अपने खेत में काम करने के बाद 35- 40 रुपये के हिसाब से किसी बड़े किसान के खेतों में काम करना पड़ता है। यदि वह अपने ही खेत में काम करता है तो उसके पास अच्छे क्वालिटी के बीज, खाद व कीटनाशक खरीदने के लिए पैसे न होंगे। इसके लिए 3ने किसी बड़े किसान से , साहुकार या व्यापारी से ।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q10 मझोले और बड़े किसान कृषि से कैसे पूँजी प्राप्त करते हैं? वे छोटे किसानों से कैसे भिन्न हैं?

Answer.

मझोले एवं बड़े किसानों की अपनी बचत होती है। वे जरूरी पूँजी का प्रबन्ध कर लेते हैं। आधुनिक कृषि तरीके बहुत मंहगे होते हैं जिनके लिए बहुत से धन की आवश्यकता होती है। दूसरी तरफ छोटे किसानों को पूँजी का प्रबन्ध करने के लिए बड़े किसानों या व्यापारियों पर निर्भर रहना पड़ता है। इनके ऋणों की ब्याज दर भी अधिक होती है। छोटे किसान ऋणों में दब जाते हैं। 2 हेक्टेयर से कम भूमि वाले किसानों को मझोले और बड़े किसानों की तुलना में अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q11 सविता को किन शर्तों पर तेजपाल सिंह से ऋण मिला है? क्या ब्याज की कम दर पर बैंक से कर्ज मिलने पर सविता की स्थिति अलग होती?

Answer.

तेजपाल ने 4 महीनों के लिए 24 प्रतिशत की ब्याज दर पर पैसा देना स्वीकार किया। जो कि बहुत ज्यादा ब्याज दर है। तेजपाल सिंह , सविता से बैंक की अपेक्षा बहुत अधिक ब्याज ले रहा था। यदि सविता बैंक से उचित ब्याज दर पर ऋण ले पाती तो उसके हालत निश्चय ही बेहतर होते।

Page : 14 , Block Name : अभ्यास

Q12 अपने क्षेत्र के कुछ पुराने निवासियों से बात कीजिए और पिछले 30 वर्षों में सिंचाई और उत्पाद के तरीकों में हुए परिवर्तनों पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट लिखिए (वैकल्पिक)।

Answer.

अपने क्षेत्र के कुछ पुराने निवासियों से बात करने से पता चला कि पिछले 30 वर्षों में खेती के पुराने तरीके अपनाये जाते थे। सिंचाई की बहुत अधिक सुविधाएं न थी, किसान मानसून की वर्षा पर निर्भर करते थे। जो कि बहुत अनियमित होती थी। किसान अपने खेतों को बैल की सहायता से जोतते थे। अतः सिंचाई के लिए रहट को कुओं से पानी निकालने के लिए प्रयोग किया जाता था। परन्तु आधुनिक तकनीक के कारण किसानों ने सिंचाई के लिए नलकूप लगवा लिए हैं। अब रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और एच.वाई.वी. बीजों का प्रयोग होने लगा है, जिससे अपादकता में वृद्धि हुई है। यहाँ तक की ट्रैक्टर और मशीनों ने जुताई और कटाई को तेज कर दिया है।

Page : 15 , Block Name : अभ्यास

Q13 आपके क्षेत्र में कौन से गैर-कृषि उत्पादन कार्य हो रहे हैं? इनकी एक संक्षिप्त सूची बनाइए।

Answer.

हमारे क्षेत्र में दर्जी, मूर्गी पालन, डेयरी, विनिर्माण, गन्ने के रस से गुड़ बनाना, दुकानदारी, बढ़ई, परिवहन, आदि गैर - कृषि उत्पादन कार्य हो रहे हैं।

Page : 15 , Block Name : अभ्यास

Q14 गाँवों में और अधिक गैर-कृषि कार्य प्रारंभ करने के लिए क्या किया जा सकता है?

Answer.

हमारे गांव की दशा सोचनीय है क्योंकि हमारे गाँव में 80 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। जिसमें खेतीहर और किसान शामिल हैं। जब कि भूमि स्थिर है पर इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। इसलिए गैर- कृषि कार्यों में वृद्धि करना आवश्यक है। जैसे कि डायरी, दुकानदारी, विनिर्माण, दर्जी आदि तांकि खेतीहर मजदूरों को काम मिल सके। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

Page : 15 , Block Name : अभ्यास